

FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

राज्य अदालत (सीकर)

खण्डेला (सीकर)

लिय सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट खण्डेला

नाम शावरमल लेव टोन्डा

दिनांक 13/10/19 मुकदमा नं. 136 LR/19 सन् 2019

म	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
<p>हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज</p> <p>प्राणी के दो स वकील श्री राजेश कुमार मीणा एड. ने प्राणी पर पेश किया। रिपोर्ट सारित्य ली गयी प्राणी पर दो सौ किलो जाफा क्षुपपत्रिका को जारी सम्मन। कोर्ट बन्द किया जावे। मिस्टर डाक्टर दिनांक 18.10.19 का पेड्य है।</p> <p>18.10.19 प्राणी पेड्य हुई। वकील प्राणी दामिर। प्रतिवादी स० की तालिम उनके कर्मचारी द्वारा प्राप्त की गयी है। सम्पत्ति मानी जाती है। बावजूद सम्मन तालिम प्रतिवादी स० 1 क्षुपपत्रिका रहे इनको बावजूद क्षुपत्रे दिनापी जारी बावजूद क्षुपत्रे प्रतिवादी स० 1 क्षुपपत्रिका रहे। इनके विरुद्ध लघुहस्ताक्षर कार्यवाही अहकाम में जारी जा रही है। वकील बावजूद न कथन किया कि प्रतिवादी स० के विरुद्ध एतदन्त कार्यावाही अहकाम में जारी जा रही है। अहकाम मुकदमा नं. 136 LR/19 ही प्रकरण में वदम बुकी जाकर निर्णय करमाक</p>	

करीम नारी / प्राणी का विदक
 करवाते विना / कदा करीम नारी (सुनी)
 करी / करवाते कदा करीम नारी / प्राणी
 के करवाते विना कि प्राणी के पिता ओमदास
 का नाम सूत्रि 200 न० 1393 या 1399 हुसा
 संख्या 3.79 है विना के "ओमहरदास" नाम
 अंकित है जबकी प्राणी के पिता के नाम की
 पुतली जमावदी, दोशरिच दरवाजे, मधुप्रमाण
 पत्र में व अन्य दरवाजे में "ओमहरदास
 रही अंकित है। गणत नाम छोटे व राज्य सरकार के
 मिलने वाली लुकिवादी से वंचित होकर पड़ रहा
 है अतः नाम दिए में उमरानुसार दुकली
 करवाने का प्राणी अधिकारी है। प्राणी का
 प्राणिक पत्र स्वीकार करवाया जायत दुकली किरी
 बिकर जिन का आदेश करवाया जाये।

करीम प्राणी ही कदम लुकी गयी।

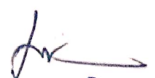
पगावली व पगावली पर उपरोक्त दरवाजे
 का अवालीक विना नाम। वर्तमान जमावदी
 संवत् 2074-2077 में ख० न० 1393 से 1399
 संख्या 3.79 ^{ग्राम आदवादी} विना के प्राणी के पिता का नाम
 "ओमहरदास" अंकित है जबकी जमावदी संवत्
 2026 से 2029 तक ग्राम आदवादी में खसरा न०
 पुतली 786 के प्राणी के पिता का नाम ओमदास है
 मधुप्रमाण पत्र सिदानी देवी में पत्रिका नाम ओमहरदास
 दर्ज है तथा पुत्र रामलाल के मधुप्रमाण पत्र में

भी पिता का नाम औंकारदास अंकित है
तथा स्वयंम औंकारदास के मृत्यु प्रमाण पत्र
में सही नाम औंकारदास है। उक्त स्त्रीदस्तावेज
के अन्वयेन से बाधित होता है कि प्राणी के
पिता का सही नाम औंकारदास है अतः
प्राणी का प्राणी पत्र स्वीकार योग्य पाये
जाने पर स्वीकार किया जाता है तथा आदेश
दिया जाता है कि:-

आदेश

भूमि ख० न० 1393 ता 1399 कुमा
खिला-7 कुमा बरका 3.79 है तब ग्राम
गादवाड़ी तहसील खण्डेगा जिला सीकर राज
के हिल्ला में के राजस्थानिकों में प्राणी
के पिता का नाम "औमहरदास" की जगह
सही नाम "औंकारदास" दुरुस्त किया जावे
तहसीलदार खण्डेगा को तहरीर जारी
हो। पञ्चावली फौजदारी हुमाद डोकर नम्बर
से कम हो बाद तहसील दायित्व दस्ता
हो।

निर्णय सरेपुजलास खुनाप। जाप।


(रमेश सिंह)
P.S.